



6820, 6823 2011-9

507-12119
2000

Q1. Write your friend
and ask him
about the

1000

[illegible]

9
—
नाम

नाम भीमती महां सुन्दरी देवी
लैख्यकारी धर्मपत्नी श्री नन्द किशोर
सिंह सुपुत्री स्व. राम मोहन
चौधरी पेशा सहजीव
ग्राम + पञ्चालय सुन्की
थाना- पातैपुर जिला वैशाली
भारतीय नागरिक

12564/7
 88
 12564/7

नरसिंह दय
 गुरु सिंह
 कान्त पाल

20/11/77
 10/11/77

मोहित मिश्रा मेरे सामने

20/11/77

47601-26/77

सह गुरु सिंह देवी का सुनने प्रमाण
 श्री. लाल बहादुर शास्त्री
 जयपुर मेरे सामने

20/11/77 47601-26/77

(नरसिंह दय सिंह)
 20/11/77



१
नाम भीमली आभा कुमारी
लैश्यधारणी धर्मपत्नी श्री जौरवन प्रसाद
खिह पैशा गृहणी ग्राम +
पताल्य-वेन साग्रट फाना
काराकाट गौडारी जिला
रोहतास भारतीय नागरे

श्री गौडारी प्रसाद
को ६००० रु. का
पैसा २०/१०/१६

२
लैश्य निर्विवाद विक्रय पत्र (0-4
प्रकार & Absolute Sale)

३
मूल्य मो० ६२,५००) पाँच हजार
पाँच सौ रुपया मात्र



उपरोक्त पैसा गौडारी प्रसाद को
२०/१०/१६ को ६००० रु. का
पैसा २०/१०/१६

श्री गौडारी प्रसाद
को ६००० रु. का
पैसा २०/१०/१६

४
सम्पत्ति का विवरण मवाजी ५१५१० रु. का
पाँच सौ रुपया मात्र
अधिकार का नुस्खे



कायमी नगदी वाने मीजा जकात
 परगना-फुलपारी आना वो तुव रजि
 दानपुट सदर रजिस्त्री वो जिहा
 पटना वाने है जिसका तीना
 संख्या ५५१० पांच हजार पाँच
 उनीस आना संख्या २२ बाई स
 संख्या १२ वाने रवेसरा वो सर्वे
 एलैट संख्या ११२ रक से तेरह मा
 भाग है मूमि सरकारी सू-अभिलेख
 में कृषि ग्रेज्ड वर्क है वो सर्वे ५
 कृषि ग्रेज्ड कार्य होता चला आर
 है वो है मूमि अधिनित है। मूमि १०
 क्षेत्रीय विकास प्राधिकार के अ
 है मगट मासुट एगन से पाए
 जिसकी सम्पुष्ट है वानापुट
 कार्यपालन व ०५०५०५ से प्राप्त

संख्या ५५१० पांच हजार पाँच
 उनीस आना संख्या २२ बाई स
 संख्या १२ वाने रवेसरा वो सर्वे
 एलैट संख्या ११२ रक से तेरह मा
 भाग है मूमि सरकारी सू-अभिलेख
 में कृषि ग्रेज्ड वर्क है वो सर्वे ५
 कृषि ग्रेज्ड कार्य होता चला आर
 है वो है मूमि अधिनित है। मूमि १०
 क्षेत्रीय विकास प्राधिकार के अ
 है मगट मासुट एगन से पाए
 जिसकी सम्पुष्ट है वानापुट
 कार्यपालन व ०५०५०५ से प्राप्त

संख्या ५५१० पांच हजार पाँच
 उनीस आना संख्या २२ बाई स
 संख्या १२ वाने रवेसरा वो सर्वे
 एलैट संख्या ११२ रक से तेरह मा
 भाग है मूमि सरकारी सू-अभिलेख
 में कृषि ग्रेज्ड वर्क है वो सर्वे ५
 कृषि ग्रेज्ड कार्य होता चला आर
 है वो है मूमि अधिनित है। मूमि १०
 क्षेत्रीय विकास प्राधिकार के अ
 है मगट मासुट एगन से पाए
 जिसकी सम्पुष्ट है वानापुट
 कार्यपालन व ०५०५०५ से प्राप्त



शपथ पत्र पश्चिम के साथ संलग्न है
जिसमें सन् ५०५२ तद्विषय १५११/५० में
सूक्ति का वार्षिक लगान मो० ५०५१/५०
पैसा अलाप शेष पञ्जीनदीय विह
संस्कार द्वारा अंशलाधिकारि वाना
(पटना) बांके हैं जिसका जमा वस्तु
सन् ५०५३ है सूक्ति अधिपति है।

चौ धी

उत्तर - बाल दयवीकार सुपोध कुमार
सिन्ध

दक्षिण - चैतन सिंह



पूरव- १२' वारह फीट चौड़ा रास्ता

परिचय- वी. के. अग्रवाल को पार
लौट नं ११३

मि. अग्रवाल को पार
लौट नं ११३
मि. अग्रवाल को पार
लौट नं ११३

भूमि की सापेक्ष प्रमाणात
उत्तर-दक्षिण - ५५' २" चौकपने फीट दोड़व
पूरव- परिचय- ३०' ६" लीच फीट चौड़व

संदर्भ

हनिचत यह है कि रवाना सं
५ में परिचित सम्पत्ति लेखन-मरणा
की क्षेत्र खदीवगी सम्पत्ति है



जिसे लेश्वरजी ने नवीले गोपल
सुमिता देवी सुपुत्री श्री राम दास
जी धर्मपत्नी स्व० राम जन्म १९२६
उर्फ श्री दासदे प्रसाद हयमजी
कुमार जन्म स्व० राम जन्म १९३६
उपनाम स्व० दासदे प्रसाद सोमनाथ
देवाने ग्राम पुनाई नमः पटना भाग
कोतपाल हाहा नमः गेनीपाल
जिला पटना से तारीख १५/५/७७
ई० को पैपु रक्षोव किया है जिसका
बुक नम्बर जिला संख्या २६ पैपु संख्या
३०२-३१७ बलिना संख्या २१६३ दोहल
रमली गी. १०८ रजिस्ट्री नम्बर १५६५५
विदित रहे कि सुमिता

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.



देवी ने पजरिये वसिन्ना के वाला
 दिनांक १५/११/५२ ई० वसिन्ना
 ६५ जिल्हा सहा १० पुक १ रक
 पेज संख्या ३३४-३३८ वसिन्ना
 ६५ मिपंधन काशीलय दानापुर
 द्वारा श्री भीम सेन सिंह बन्ध
 रवोरी सिंह के सीता राम सिंह बन्ध
 स्व० दीप नारायण सिंह निवासी कोथर
 धाना दानापुर जिला पटना से क्रम
 की थी। क्रम के विधि से भूमि को
 अपने कब्जा दखल हक के अधिकार
 में रखते हुए हट पुनः से उपयोग
 स्वयं उपयोग करते चली आरंभ
 श्री तथा भूमि का सालगुना भी
 अपनी काय से मुगतन कर अपने
 नाम से इसी व भी कर भर चले जा
 रहे थे। जिसका जमा बन्दी रकम

दिनांक १५/११/५२
 देवी ने पजरिये वसिन्ना
 ६५ जिल्हा सहा १० पुक १ रक



२४ नवंबर
 १९५६ ई०
 श्रीमती सीताराम सिंह

संख्या १५८ दिनांक ३१.३.१९५६ ई०
 साधू साधुजी शिवभट्ट ने सुमिता
 देवी की इतमिनान को विश्वास दिले
 एकराद निज कि संपत्ति पूर्व में
 भीम सेन के दादाजी मधुदेव सिंह
 के पक्ष में हुआ और चेतन सिंह
 अलग दयापित हुए जिवना अपोका
 छद्म नोट में हुई जिवना ताड़तिल
 पालिशन खुद केस नं० ३५५५५
 १९५६ ई० है अन्तिम फैसला केस नं०
 ७ परवरी सन १९५५ ई० है इससे पहले
 मोरदमा नं० ६५ सन १९५५-५६ ई०
 को शहीसनल सब जग पर न के इजलास
 से फैसला ३१ मई सन १९५५ ई० को
 सीताराम सिंह के पक्ष में फैसला हुआ
 है। श्री सीताराम सिंह को भीम सिंह
 रिश्ते में अपने बान्हा - भतीजा है।



25/10/2019
20/10/2019
20/10/2019
20/10/2019

लेखनकारणी प्रथम पक्ष ने बैंक
रपरीदगी के रोज से ही स्वामे संस्था
५ में धर्मित सम्पत्ति को अपने कब्जा
दखल हक को अधिकार में रखकर
इस कट को अधिकृत हो कर स्वामे
संस्था ५ में धर्मित सम्पत्ति का हट
प्रकार से उपभोग स्वामे उपभोग
करते पहले आ रहे हैं। स्वामे संस्था
५ में धर्मित सम्पत्ति का मालिकाना
विषय हटकार को मुगतान कर अपने
नाम से रसीद की कट पते पहले आ
रहे हैं जो है। स्वामे संस्था ५ में धर्मित
सम्पत्ति का मालिक को अधिकारी
लेखनकारणी के अलावा अन्य कोई भी
व्यक्ति वहां नहीं है। स्वामे संस्था ५ में
धर्मित सम्पत्ति पास साफ स्वामे
तहत मुक्त सम्पत्ति है। लेखनकारणी



५५११६१७०
 श्री गणेशाय नमः
 श्री गणेशाय नमः

को मकान पनाम वो अन्य जद्विकारी
 को निष्पादन हेतु रुपया की सुदृढ
 जद्वी है, विना रुपय संस्था ५ में वगैर
 सम्पत्ति का विक्रय पन लिख ले हमका रुप
 को शीघ्र रुपया का प्रवन्ध नहीं है
 सकता है। इसलिये लेखकारणी ने
 रुपय संस्था ५ में वगैर सम्पत्ति
 का प्रचयन का प्रच्युत निष्ठा जिसमें
 रुपयवर्ग को प्रदुत दू लोग आगे
 लेमिन लेखकारणी ने लेखकारणी
 से ही प्रचयना उचित वो मोनासिख
 समझा

अतः लेखकारणी अपनी
 रुपय संस्था रुपयवर्ग से अपने
 होशो व्यवस्था में अपनी दानि वो
 लाभ को प्रदुती सोच विचार
 कर स्वस्थ संवृत्ति मानासका

अवस्था में रह कर अपने शुभ चिन्तनों
 से राम स्वयं परमेश्वरी के कट लेखनकारणी
 ने स्वयं संस्था ५ में वर्णित सम्पत्तियों
 मो० ६६५००० वास्तु हजार पाँच
 सौ रुपया में लेखनकारणी के हथ
 की राश्व केचा के नेपाला के भला
 नलामो निभा। लेखनकारणी स्वयं सं
 ५ में वर्णित सम्पत्ति का विक्रय पत्र
 लिखने के पहले ही कुल रुपया
 लेखनकारणी से पक्षल पात्रा रूप
 बैंक ड्राफ्ट सं० MOA/A/78/783783
 तारीख ३.११.९७ जारी द्वारा भारतीय
 स्टेट बैंक राजवंशी नगर पटना।
 लेखनकारणी आज ही से अपना कुल
 नज्जा वसूल हक को अधिकतर राश्व
 संस्था ५ में वर्णित सम्पत्ति पर लेखनकारणी
 को वे दिया ताकि लेखनकारणी स्वयं
 संस्था ५ के वर्णित सम्पत्ति पर काफ़ी
 वसूल मालिक मो लनिह हो कर
 कट अधिकृत हो कर स्वयं संस्था
 ५ में वर्णित सम्पत्ति का स्टाम्प

०१. ११/११/९७
 लेखनकारणी
 मो लनिह

नहीं है, नहीं होगा

यह है कि जो लेखकानी
 खाने पाने में वर्जित सम्पत्ति के
 अंश भाग या पूर्ण भाग ले लेखकानी
 के कारण वेदपत्र हो जायें तो लेख-
 कारानी को इस पर अधिकार प्राप्त है
 वे होगा कि कुल जलसम्पन्न
 सुद्ध का नुमी लगाकर अदालत
 द्वारा नालिश कर का नुमी तरीक़े
 से लेखकानी या लेखकानी के
 उत्तराधिकारियों के पल या अपल
 सम्पत्ति से पछुल करावें वे स्वतंत्र
 लेखकानी या लेखकानी के उत्तरा-
 धिकारियों को कोई आपत्ति नहीं है
 नहीं होगा

(इसलिए यह विकृत फल है)
दिनांक १९५८ फल का आकार
प्रमाण है

तारीख ११/११/१९७४ ई०

11/11/92.

भाषा १. एते नमः ~~इन्द्र~~ इन्द्रिया एतौ यौदा
 भाषा २. इन्द्रा इन्द्रा एतौ यौदा
 भाषा ३. इन्द्रा इन्द्रा एतौ यौदा
 भाषा ४. इन्द्रा इन्द्रा एतौ यौदा
 भाषा ५. इन्द्रा इन्द्रा एतौ यौदा

